यह है ईश्वरीय धाम..सत का संग
बाप हमें यहाँ बनाते पुरुषो में उत्तम
हम बच्चे बाप से भी हैं ऊँच
बाप हमे नमस्ते करते,बनाते विश्व का मालिक
वो हमें ब्राह्ममांड का मालिक बनाते ,सलाम करते
फिर ऐसे बनाने वाले बाप को हम भी सलाम करते
हम ब्रह्मा मुखवंशावली ब्राह्मण ,पुरषोत्तम बनने का करते पुरुषार्थ
सब पापों को भस्म कर,अब घर वापिस जाना
स्वयं की कंट्रोललिंग पॉवर से दूसरे पर अपनी अचल स्थिति का प्रभाव डालना
जजमेंट द्वारा नब्ज़ को परख आत्मा को तृप्त करना
सर्वशक्तिमान साथी हो तो, माया हो जाती टाइगर समान

ॐ शांति
मेरा बाबा